Total No. of Printed Pages—2

**4 SEM FYUGP MINHIN4**

**2025**

( June )

HINDI

( Minor )

Paper : MINHIN4

**( सृजनात्मक लेखन )**

*Full Marks* : 60

*Time* : 2 hours

*The figures in the margin indicate full marks for the questions*

**1.** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×6=6

(क) सृजन को मापने के लिए कौन-सा नया मापदंड प्रस्तावित किया गया है?

(ख) जीवन की समस्याओं को रंगमंच पर अभिनीत करने वाली विधा क्या है?

(ग) 'नुक्कड़ नाटक' कहाँ दिखाए जाते हैं?

(घ) सृजनात्मकता का पर्यायवाची शब्द क्या है?

(ङ) मुद्रित माध्यम का क्या अर्थ है?

(च) रेडियो में किस प्रकार की भाषा प्रयुक्त होती है?

**2.** निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4×4=16

(क) उपन्यास और कहानी में अंतर स्पष्ट कीजिए।

(ख) समाचार लेखन के महत्त्व पर संक्षेप में लिखिए।

(ग) नाटक में चरित्र-चित्रण के महत्त्व पर विचार कीजिए।

(घ) कविता में अलंकारों के महत्त्व का वर्णन कीजिए।

(ङ) कहानी लेखन के तत्त्वों को संक्षेप में लिखिए।

**3.** आत्मकथा और जीवनी में अंतर स्पष्ट कीजिए। 8

**अथवा**

सृजनात्मक लेखन के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

**4.** निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×3=30

(क) नाटक के तत्त्वों का वर्णन करते हुए अभिनेता के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

(ख) कविता लेखन की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए इसके तत्त्वों एवं प्रविधि पर प्रकाश डालिए।

(ग) सृजनात्मकता का अर्थ स्पष्ट करते हुए सृजनात्मक लेखन के विभिन्न क्षेत्रों का परिचय दीजिए।

(घ) उपन्यास लेखन की परिभाषा देते हुए इसके तत्त्वों एवं प्रविधि पर प्रकाश डालिए।

(ङ) रेडियो लेखन की संरचना करते हुए आधुनिक डिजिटल युग में इसकी प्रासंगिकता पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

★★★